Raga of the Month May 2023 Raga Piluki Manjh राग पीलूकी माँझ

राग पीलूकी माँझ यह एक अप्रचलित राग है। अभिनव गीत मंजरी के तीसरे भागमे इस रागका संक्षिप्त वर्णन दिया हुआ है। यह रागस्वरूप तिलक कामोद एवम् पीलू इन दो रागोंके मिश्रणसे बना हुआ है। यह रात्रिगेय राग है। इस रागमे कोमल गंधार तथा शेष सब स्वर शुद्ध है। जैसे की सा रे ग म प ध नि सां। कर्नाटक संगीतमे इस मेलको गौरीमनोहरी मेलकर्ता कहते है। इस रागका वादी षड्ज और संवादी पंचम है। निषादभी इस रागका एक प्रबल स्वर है; उस पर न्यासभी होता है। आरोहमे गांधार तथा धैवत दुर्बल रहते है। इस रागका सृजन आचार्य श्रीकृष्ण नारायण रातंजनकरजीने किया है। राग तिलककामोदमें कोमल गांधारके प्रयोगसे उसमे क्षणिक राग पीलूका सौन्दर्य प्रतीत होता है।

किताबमे दिया हुआ स्वर विस्तार नीचे दिया हुआ है।

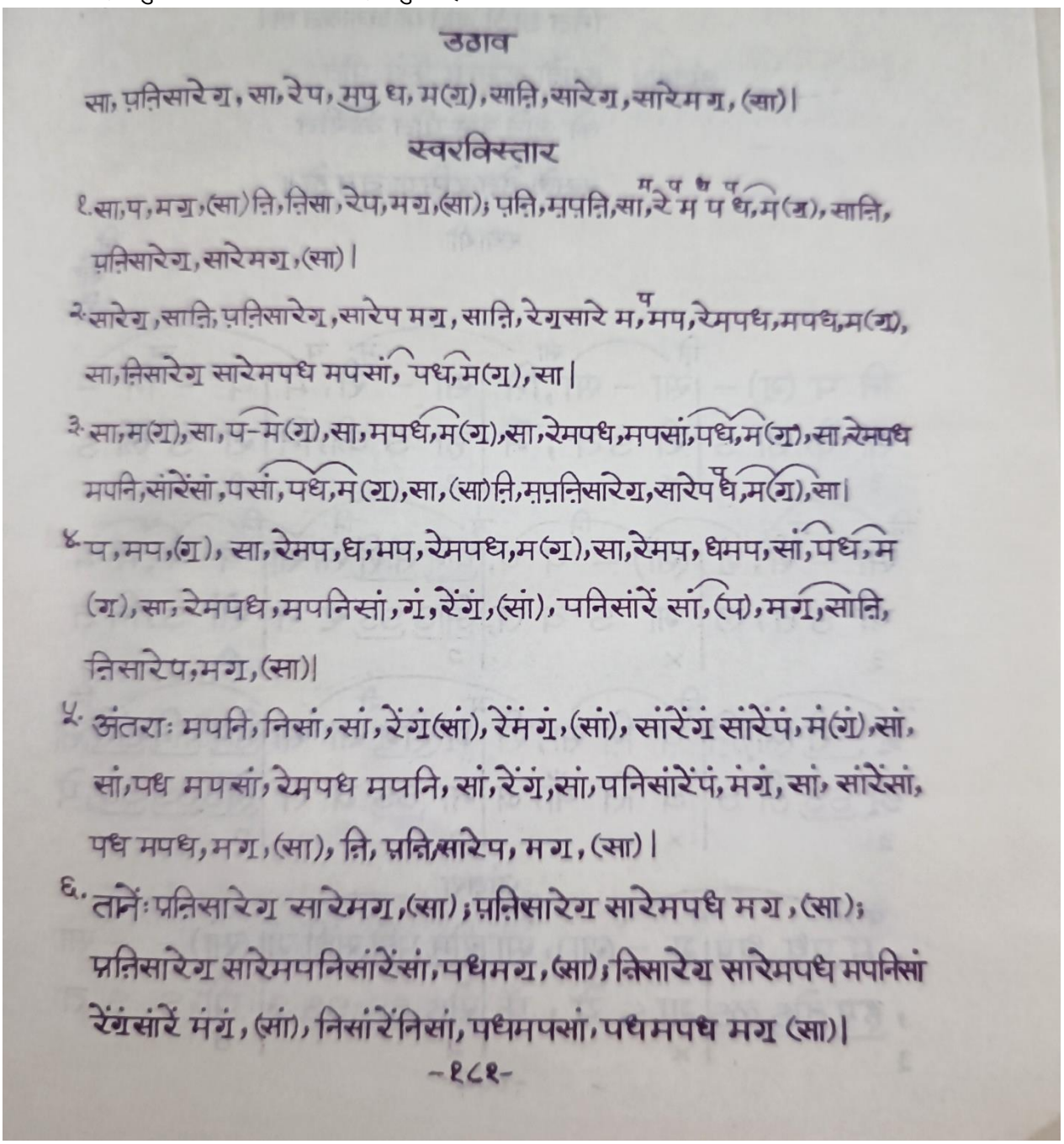

उठाव

सा, प़नि़सारेग, सा, रेप, मपु ध, म(ग), सानि़, सारेग, सारेमग, (सा)।

स्वरविस्तार

१. सा, प, मग, (सा) नि़, नि़सा, रेप, मग, (सा); प़नि़, म़प़नि़, सा, रे म प ध, म(ग), सानि़, प़नि़सारेग, सारेमग, (सा)।

२. सारेग, सानि़, प़नि़सारेग, सारेप मग, सानि़, रेगसारे म, मप, रेमपध, मपध, म(ग), सा, नि़सारेग सारेमपध मपसां, पध, म(ग), सा।

३. सा, म(ग), सा, प-म(ग), सा, मपध, म(ग), सा, रेमपध, मपसां, पध, म(ग), सा, रेमपध मपनि़, सांरेंसां, पसां, पध, मे(ग), सा, (सा) नि़, म़प़नि़सारेग, सारेप ध, म(ग), सा।

४. प, मप, (ग), सा, रेमप, ध, मप, रेमपध, म(ग), सा, रेमप, धमप, सां, पध, मे(ग), सा, रेमपध, मपनिसां, गं, रेंगं, (सां), पनिसांरें सां, (प), मग, सानि़, नि़सारेप, मग, (सा)।

५. अंतरा: मपनि़, निसां, सां, रेंगं (सां), रेंमगं, (सां), सांरेंगं सांरेंपं, मं(गं), सां, सां, पध मपसां, रेमपध मपनि़, सां, रेंगं, सां, पनिसांरेंपं, मंगं, सां, सांरेंसां, पध मपध, मग, (सा), नि़, प़नि़सारेप, मग, (सा)।

६. तानें: प़नि़सारेग सारेमग, (सा); प़नि़सारेग सारेमपध मग, (सा); प़नि़सारेग सारेमपनिसांरेंसां, पधमग, (सा); नि़सारेग सारेमपध मपनिसां रेंगंसांरें मंगं, (सां), निसांरेंनिसां, पधमपसां, पधमपध मग (सा)।

-१८१-

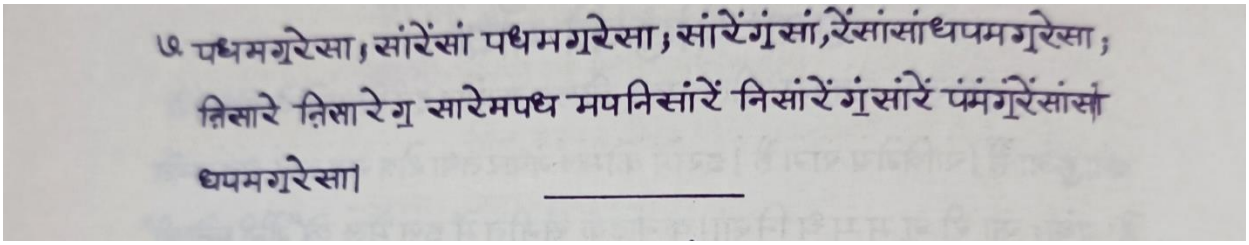

आजके ऑडियोमें हम आचार्य श्रीकृष्ण नारायण रातंजनकरजी राग पीलूकी माँझमे रचित विलम्बित और द्रुत रचना सुनेंगे, जो उनके शिष्य पंडित के जी गिंडेजीने गायी हुई है।

संदर्भ : "अभिनव गीत मंजरी" भाग ३.
आभार : पंडित यशवंतबुवा महाले, श्री अजय गिंडे.

१- ५ -२०२३

Link to the list of 140^{+} Raga of the month articles –

@ Archive of ROTM Articles - http://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx